दैनिक जागरण, पृ०-18, 1-5-16

ईजाद की गई मशरूम की नई प्रजाति

दैं जा 1-18 1-5-16

रविंद्र पंवर, सोलन

शाकाहारी लोगों के लिए खुशखबरी है। आम तौर पर ठंडे वातावरण में उगने वाली नाना प्रकार की विटामिन और प्रोटीन से भरपूर मशरूम अब कम ही नहीं, अधिक तापमान में भी उग सकेगी। सोलन में चंबाघाट स्थित मशरूम अनुसंधान निदेशालय (डीएमआर) ने मशरूम की एक नई प्रजाति विकसित की है, जो न केवल अधिक तापमान में भी उग सकेगी, बल्कि यह लिवर संबंधी बीमारियों के लिए भी लाभकारी है।

मशरूम सिटी ऑफ इंडिया के नाम से विख्यात सोलन के चंबाघाट में डीएमआर ने मशरूम की 'इनोकी' नामक प्रजाति विकसित की है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इस मशरूम का उत्पादन 22-24 डिग्री सेल्सियस तापमान पर किया जा सकेगा। यह प्रजाति न केवल पहाड़ों की ठंडी आबोहवा में, बल्कि गर्म इलाकों में भी उग सकेगी। इनोकी मशरूम खाने में स्वादिष्ट व पौष्टिक तो है ही, यह लिवर संबंधी बीमारियों के लिए भी लाभकारी है, जिस पर और भी शोध चल रहे हैं। डीएमआर ने वुड ईयर नाम से भी एक और मशरूम प्रजाति ईजाद की है, जो खासकर बवासीर में लाभप्रद है। इसके अलावा डीएमआर ने पिछले कुछ समय में बटन मशरूम पर गहन अध्ययन व शोध के बाद इसकी दो नई प्रजातियां निकाली हैं, जो तोड़ने के लंबे समय तक सफेद से भूरी नहीं होती और इसे कई दिनों तक सहेज कर रखा जा सकता है।

प्रभारी, समाचार पत्र यूनिट